संविधान साँप-सीढ़ी

साँप-सीढ़ी (Snakes and Ladders) एक रोचक खेल है और लगभग सभी पीढ़ियों के लोग इसे बड़े चाव से खेलते हैं| इसे खेलने के सभी जगह अलग-अलग नियम हैं, स्थानीयता को देखते हुए खेल के नियमों में बहुत से बदलाव सामने आते हैं| हम यहाँ कुछ मानक नियम रख रहे हैं जिनके आधार पर इस खेल को बहुत बढ़िया ढंग से खेला जा सकता है| अब बात संविधान साँप-सीढ़ी की तो इसके नाम से ही स्पष्ट है कि हम भारतीय संविधान को समझने और रोचक तरीके से जन सामान्य के बीच में ले जाने के लिए इस पारंपरिक खेल का उपयोग कर रहे हैं| अब इस खेल को खेलने के लिए आवश्यकता वस्तुओं की सूची बना लेते हैं|

खेल के लिए आवश्यकता

अवधि – लगभग एक-डेढ़ घंटा (यह ऊपर-नीचे हो सकती है)

बड़े आकार की साँप-सीढ़ी (लगभग 10*10 वर्गफीट)

एक बड़ा पांसा (डायस)

स्थान - जहाँ इस साँप-सीढ़ी को बिछा सकें और उसके इर्द-गिर्द लोग खड़े हो सकें या बैठ कर इसे देखें इसमें सहभाग करें|

प्रतिभागी – यह संख्या कम/ज्यादा हो सकती है लेकिन फिर भी 4-5 जन इस खेल को बेहतरी से खेल सकते हैं| इसी के साथ आसानी से 30-40 लोगों के साथ चर्चा की जा सकती है|

सह्जकर्ता - संविधान की समझ रखने वाले एक या दो व्यक्ति जो कि दर्शकों/प्रतिभागियों के अनुरूप चर्चा का सह्जीकरण कर सके|

संविधान साँप-सीढ़ी

खेल खेलने के नियम

1. **खेल के मकसद को समझें:** इस खेल का मकसद, खिलाड़ी को इस खेल के अलावा हमें संविधान की मूलभूत बातों को बारे में बताना है| इसलिये हमें खेल की बारीकियों पर ध्यान देने की अपेक्षा इसके खानों में लिखे संदेशों की ओर जाना होगा|

2. खेल खेलना शुरू करने के पहले ही हम इस साँप-सीढ़ी के चारों कोनों पर लिखे चारों मूल्यों को किसी भी 4 प्रतिभागियों से पढवाएं और एक-एक के बारे में बात करें| इस तरह की शुरुआत स्थानीय स्तर पर प्रतिभागियों के मूड के अनुरूप ही करें| क्योंकि कई बार इसी चर्चा से बच्चे/प्रतिभागी बोर हो जाते हैं और खेल शुरू होने के पहले ही चले जाते हैं या उनकी खेल को लेकर विरक्ति हो जाती है| लेकिन यही चर्चा रोचक तरीके से हुई तो फिर यहीं से माहौल बन जाता है| इन मूल्यों की चर्चा हम खेल के बीच में भी कर सकते हैं| तो यहाँ सहजकर्ता की भूमिका प्रमुख है कि वे कैसे ले जाते हैं, यदि वे यदि यह सहजीकरण स्थानीय बोली/भाषा में करें तो यह प्रतिभागी को और सहज कर देता है|

3. अब हम खेल को शुरू करते हैं| कोई भी 4 प्रतिभागी लीजिये| यदि हम यह समुदाय में यह खेल खेल रहे हैं तो अलग-अलग लिंग और आयु वर्ग के प्रतिभागी ले सकते हैं| और यदि यह स्कूल में खेल रहे हैं तो फिर हम अलग-अलग कक्षाओं से बच्चे ले सकते हैं| लेकिन यह ध्यान रखना होगा कि हम प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के बच्चों के साथ अलग-अलग खेलें, क्योंकि दोनों की समझ के स्तर में अंतर है|

4. प्रतिभागी डायस से अंक लायेंगे और वे पहली लाइन में बाएं से दाएं चलते हैं, फिर दूसरी तरफ बढ़ते हैं और दाएं से बाएं, और इसी तरह आगे बढ़ेंगे| यानी इसमें एक लाइन बाएं से दाएं की ओर है जबकि दूसरी लाइन दाएं से बाएं की ओर है|

संविधान साँप-सीढ़ी

5. इस बीच यदि कोई प्रतिभागी आगे बढ़ते हुए यदि किसी सीढ़ी पर आ जाता है तो सह्जकर्ता रुककर उस पर लिखे सन्देश को पढेंगे और उसे दोहराएंगे| ध्यान रहे कि यह सभी सन्देश एक राईमिंग में लिखे हैं तो उन्हें पढना भी वैसी ही होगा| ध्यान रहे कि यहाँ संदेश को नीचे से ऊपर की ओर पढ़ेंगे, यानी सीढ़ी ने नीचे शुरू करके ऊपर की ओर| इसके बाद इस सन्देश को लेकर चर्चा छेड़ेंगे| अब यह सहजकर्ता पर निर्भर करेगा कि वे इस चर्चा को कितना सहज कर पाते हैं और लोगों को कितना जोड़ पाते हैं| यह भी हो सकता है कि हम बच्चों से प्रश्न पूछते जाएँ और सही उत्तर मिलने पर उन्हें चोंकलेट या कुछ और सामग्री पारितोषक के रूप में देतें चलें|

6. इसी प्रकार यदि कोई प्रतिभागी साँप पर आ जाता है तो उसमें लिखे सन्देश को भी पढ़कर उस पर चर्चा करनी है| साँप पर पहुंचकर प्रतिभागी को नीचे उतरना है यानी पीछे की ओर आना है| यानी प्रतिभागी सांप के मुंह वाले हिस्से से उतरकर पूँछ वाले हिस्से पर आयेंगे| ध्यान रहे कि यहाँ सन्देश हमें ऊपर से नीचे पढना है यानी साँप के मुंह से लेकर साँप की पूँछ की ओर|

7. जो प्रतिभागी 100 अंक पर पहले पहुंचेगा वह विजेता कहलायेगा| आप चाहें तो उस प्रतिभागी को पुरस्कृत कर सकते हैं| यदि समय होगा तो आप उसके बाद क्रमशः तीन और प्रतिभागियों को द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ स्थान पर ला सकते हैं ताकि मोटिवेशन मिले|

हम यह भी कर सकते हैं कि मूल्यों पर चर्चा बाद में करें लेकिन यह सब कुछ समय पर, प्रतिभागियों पर और सह्जकर्ता पर ही निर्भर करेगा| इसमें केवल कुछ सन्देश हैं, आप चाहें तो कुछ और बातें संविधान को लेकर अपनी चर्चा में जोड़ सकते हैं|

टीम यंगशाला